

दुमुँहा वि. (तद्.) 1. दो मुँहों वाला, जिसके दोनों ओर मुँह हों 2. (ला.) अलग-अलग दो अवसर पर परस्पर-विरोधी बात कहने वाला।

दुरंगा वि. (तद्.) 1. दो रंगों वाला। जिसमें दो रंग हों, दुरंगा कपड़ा 2. दो या दोनों तरह का या दो प्रकार का सहारा लेने वाला, दोनों पक्षों का आश्रय लेने वाला 3. दो प्रकार की बात करने वाला।

दुरंगी स्त्री. (तद्.) 1. दो रंगों वाली जैसे दुरंगी साड़ी 2. दो रंगों वाली बात अर्थात् अलग-अलग तरह की बात जिसमें एक-रूपता न हो जैसे-दुरंगी चाल।

दुरंत वि. (तत्.) 1. बुरे परिणाम वाला, परिणाम में कष्टकर 2. जिसका अंत पाना कठिन हो, अत्यंत कष्ट-साध्य 3. प्रचंड 4. अतिगंभीर।

दुर अव्य. (तद्.) अपमान सहित दूर हटाने के लिए प्रयोग किया जाने वाला विस्मयादिबोधक शब्द, **दुर पुं.** (फा.) 1. मोती 2. कान में पहनने की बाली।

दुरतिक्रम वि. (तत्.) जिसका अतिक्रमण, उल्लंघन या अतिलंघन न किया जा सके, जिससे या जिसका पार पाना या जिसपर नियंत्रण करना कठिन हो, दुस्तर, अपराजेय।

दुरत्यय वि. (तत्.) 1. जिसे कठिनाई से जीता जा सके 2. कठिनाई से प्राप्य 3 अत्यंत कठिन, दुस्तर 4. जिसका पार पाना कठिन हो।

दुर-दुर अव्य. (तद्.) किसी को दूर हटाने के लिए प्रयुक्त किया जाने वाला तिरस्कार या अपमान-बोधक शब्द।

दुरदुराना स.क्रि. (अनु.) दुर-दुर कहकर अपमानपूर्वक दूर हटाना, तिरस्कारपूर्वक भगाना।

दुरधिगम वि. (तत्.) 1. पहुँच से बाहर, दुर्लभ 2. जिसे समझा न जा सके, दुर्बोध, अजेय।

दुरध्यवसाय पुं. (तत्.) 1. अनुचित या गलत काम के लिए किया गया परिश्रम, निरर्थक परिश्रम 2. गलत धंधा।

दुरन्वय वि. (तत्.) 1. जिसका अनुसरण या पालन करना कठिन हो 2. जिसका अर्थज्ञान कठिनाई से हो, दुर्बोध 3. दुष्प्राप्य पुं. अशुद्ध निष्कर्ष काव्य. रचना के विविध अंगों या भागों में परस्पर संगति न होना।

दुरबीन स्त्री. (तद्.) दे. दूरबीन।

दुरभिग्रह वि. (तत्.) कठिनाई से पकड़े जाने योग्य पुं. अपामार्ग, चिचड़ी।

दुरभियोजन पुं. (तत्.) 1. षड्यंत्र करके अभियोग लगाना 2. छलकपट करना।

दुरभिसंधि स्त्री. (तत्.) 1. किसी बुरे उद्देश्य से दो या अधिक व्यक्तियों के बीच किया गया गुप्त करार या समझौता, षड्यंत्र से की गई गुप्त संधि 2. साँठ-गाँठ, मिलीभगत, कुचक्र।

दुरमुटा/दुममुस पुं. (तद्.) कंकड़-पत्थर और मिट्टी पीटकर समतल करने वाला लकड़ी और लोहे का बना एक उपकरण।

दुरवग्रह वि. (तत्.) जिस पर नियंत्रण न किया जा सके, कठिनाई से वश में आने वाला, जिसका प्रतिरोध न हो सके।

दुरवस्था स्त्री. (तत्.) दुर्दशा, दीन दशा, दुःखःपूर्ण स्थिति, कष्ट या दरिद्रता की दयनीय स्थिति, खराब हालत।

दुरस्थि विकसन पुं. (तत्.) अस्थियों या हड्डियों का अव्यवस्थित या अपूर्ण विकास, अस्थि का विकृत विकास।

दुराकृति स. (तत्.) खराब आकृति, भद्दा स्वरूप या आकृति **वि.** बदसूरत, कुरूप व्यक्ति।

दुराक्रम वि. (तत्.) जिस पर आक्रमण न किया जा सके, अजेय, जिसे जीता न जा सके, पराक्रमी।

दुराक्रमण पुं. (तत्.) कपटपूर्ण आक्रमण, अनुचित हमला।

दुरागम पुं. (तत्.) अनुचित रूप से प्राप्ति, अवैध रूप से प्राप्त होना।